



WESTBENGALSTATEUNIVERSITY

BARASAT, 24 PGS (NORTH), KOLKATA-700126

DRAFTSYLLABUSFOR 4 – YEARS UNDERGRADUATE PROGRAMME & 3 – YEARS UNDERGRADUATE PROGRAMME

Under Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programme

Based on

National Education Policy, 2020

(TO BE EFFECTIVE FROM ACADEMIC SESSION: 2023-24)

Structure of the 4-year Undergraduate Programme (Honours)

Table 1: Semester-wise and Course category-wise distribution of credits

SEM	Major (DSC)	Minor	MDC	AEC	SEC	VAC	Internship	Total Credits
I	DS-1 (5)	MA-1 (5) MB-1 (5)	MD – 1 (3)	AE-1 (3)	SE – 1 (3)	VA-1 (3)		27
II	DS-2 (5)	MA-2 (5) MB-2 (5)	MD – 2 (3)	AE-2 (3)	SE – 2 (3)	VA-2 (3)	(4**)	27
Exit with certificate								(4**)+54
III	DS-3 (5)	MA-3 (5) MB-3 (5)	MD – 3 (3)	AE-3 (3)	SE – 3 (3)			24
IV	DS-4 (5) DS-5 (5) DS-6 (5) DS-7 (5)						(4**)	(4**)+ 20
Exit with diploma								(4**)+ 98
V	DS-8 (5) DS-9 (5) DS-10 (5) DS-11 (5)							20
VI	DS-12 (5) DS-13 (5) DS-14 (5) DS-15 (5)						(4**)	20
Exit with Major after 3 years	75	30	9	9	9	6		(4**)+ 138
VII	DS – 16 (5) DS – 17 (5)	SM - 1 (5) SM- 2 (5)						20
VIII	DS - 18 (5) DS - 19 (5) DS - 20 (5) DS – 21 (5)							20
Credit	105	40	9	9	9	6	4	182

DS: Discipline specific core course, MA: Minor discipline 1, MB: Minor discipline 2, SM: Special Minor course from the same discipline, either MA or MB, but of higher level.

Credit distribution: (a) Lab based course: L = 3, T/P = 2, (b) Non-Lab based Course: L = 4, T/P = 1

(c) Field-based course: P = 5, (d) Music as a Major/Minor discipline, credit distribution: L = ½, P = 4/3

with | B

Table 1A: Semester-wise and Course category-wise distribution of credits

SEM	Major (DSC)	Minor	MDC	AEC	SEC	VAC	Internship / Research	Total Credits
I	DS-1 (5)	MA-1 (5) MB-1 (5)	MD – 1 (3)	AE-1 (3)	SE – 1 (3)	VA-1 (3)		27
II	DS-2 (5)	MA-2 (5) MB-2 (5)	MD – 2 (3)	AE-2 (3)	SE – 2 (3)	VA-2 (3)	(4**)	27
Exit with certificate								(4**)+ 54
III	DS-3 (5)	MA-3 (5) MB-3 (5)	MD – 3 (3)	AE-3 (3)	SE – 3 (3)			24
IV	DS-4 (5) DS-5 (5) DS- 6 (5) DS- 7 (5)						(4**)	(4**)+ 20
Exit with diploma								(4**) + 98
V	DS-8 (5) DS-9 (5) DS- 10 (5) DS- 11 (5)							20
VI	DS-12 (5) DS-13 (5) DS- 14 (5) DS- 15 (5)						(4**)	20
Exit with Major after 3 years	75	30	9	9	9	6	(4**)	(4**) + 138
VII	DS – 16 (5) DS – 17 (5)	SM - 1 (5) SM- 2 (5)						20
VIII	DS - 18 (5) DS - 19 (5)						15	25
Credit	95	40	9	9	9	6	19	187

DS: Discipline specific core course, MA: Minor discipline 1, MB: Minor discipline 2, SM: Special Minor course from the same discipline, either MA or MB, but of higher level.

Credit distribution: (a) Lab based course: L = 3, T/P = 2, (b) Non-Lab based Course: L = 4, T/P = 1

(c) Field-based course: P = 5, (d) Music as a Major/Minor discipline, credit distribution: L = 1/2, P = 4/3

Table 2: Semester-wise and Course category-wise distribution of credits

Major Papers for the 4-Year Honours / Honours with Research Programme

SEM	Major (DSC)	Paper Code	Title	Remark
I	DS-1	HINDSC101T	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	Draft Syllabus Attached
II	DS-2	HINDSC202T	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता	Draft Syllabus Attached
III	DS-3	HINDSC303T	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Draft Syllabus Attached
IV	DS-4	HINDSC404T	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	Draft Syllabus Attached
	DS-5	HINDSC405T	छायावादोत्तर हिंदी कविता	Draft Syllabus Attached
	DS-6	HINDSC406T	भारतीय काव्यशास्त्र	Draft Syllabus Attached
	DS-7	HINDSC407T	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	Draft Syllabus Attached
V	DS-8	HINDSC508T	भाषा विज्ञान	Draft Syllabus Attached
	DS-9	HINDSC509T	हिंदी उपन्यास	Draft Syllabus Attached
	DS-10	HINDSC510T	हिंदी कहानी	Draft Syllabus Attached
	DS-11	HINDSC511T	हिंदी नाटक एवं एकांकी	Draft Syllabus Attached
VI	DS-12	HINDSC612T	हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं	Draft Syllabus Attached
	DS-13	HINDSC613T	हिंदी आलोचना	Draft Syllabus Attached
	DS-14	HINDSC614T	प्रेमचंद	Draft Syllabus Attached
	DS-15	HINDSC615T	हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता	Draft Syllabus Attached
VII	DS-16	HINDSC716T	हिंदी संत काव्य	Draft Syllabus Attached
	DS-17	HINDSC717T	तुलसीदास	Draft Syllabus Attached
VIII	DS-18	HINDSC818T	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	Draft Syllabus Attached
	DS-19	HINDSC819T	समकालीन हिंदी कविता	Draft Syllabus Attached
	DS-20	HINDSC820T	प्रयोजनमूलक हिंदी	Draft Syllabus Attached
	DS-21	HINDSC821T	राष्ट्रीय काव्यधारा	Draft Syllabus Attached

- Students of Honours with Research will have to take courses DS-18 & DS-19 Only.

Minor Papers for the 4-Year Honours / Honours with Research Programme

Sem	Minor Paper	Paper Code	Title	Remark
I	M (A/B)-1	HINMIN101T	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	Draft Syllabus Attached
II	M (A/B)-2	HINMIN202T	मध्यकालीन हिंदी कविता	Draft Syllabus Attached
III	M (A/B)-3	HINMIN303T	आधुनिक हिंदी कविता	Draft Syllabus Attached
VII	SM-1/2	HINSMC701/02T	कबीर	Draft Syllabus Attached
Another SM paper to be chosen from other Discipline.				

Minor Papers for the 3-Year Multidisciplinary Programme

Sem	Minor Paper	Paper Code	Title	Remark
I	M (A/B/C)-1	HINCOR101T	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	Draft Syllabus Attached
II	M (A/B/C)-2	HINCOR202T	मध्यकालीन हिंदी कविता	Draft Syllabus Attached
III	M (A/B/C)-3	HINCOR303T	आधुनिक हिंदी कविता	Draft Syllabus Attached
IV	M (A/B/C)-4	HINCOR404T	हिंदी गद्य साहित्य	Draft Syllabus Attached
V	M (A/B/C)-5	HINCOR505T	हिंदी निबंध	Draft Syllabus Attached
VI	M (A/B/C)-6	HINCOR606T	प्रयोजनपरक हिंदी	Draft Syllabus Attached

Hindi SEC in the structure of the 4-Year Undergraduate Programme

Sem	SEC	Paper Code	Title	Remark
I	SE-1 (3)	HINHSE101M	कार्यालयी हिंदी	Draft Syllabus Attached
II	SE-2 (3)	HINHSE202M	साहित्य और हिंदी सिनेमा	Draft Syllabus Attached
III	SE-3 (3)	TO BE CHOSEN FROM OTHER DISCIPLINE		

Hindi SEC in the structure of the 3-Year Multidisciplinary UG Programme

Semester	SEC	Paper Code	Title
III	SE-1 (3)	HINGSE301M	कार्यालयी हिंदी
IV	SE-2 (3)	HINGSE402M	साहित्य और हिंदी सिनेमा
OR			
V	SE-1 (3)	HINGSE501M	कार्यालयी हिंदी
VI	SE-2 (3)	HINGSE602M	साहित्य और हिंदी सिनेमा

- 2 Courses in SEM – 3 & 4 from One Subject and 2 Courses in SEM – 5 & 6 from another Subject.

Hindi AEC (MIL: COMMUNICATION)

(in the structure of the 4-Year Undergraduate Programme & 3-Year Multidisciplinary UG Programme)

Sem	AEC	Paper Code	Title	Remark
I	AE-1 (3)	HINHAE101T	हिंदी व्याकरण और संप्रेषण	Draft Syllabus Attached
II	AE-2 (3)	HINHAE202T	हिंदी भाषा और संप्रेषण	Draft Syllabus Attached
III	AE-3 (3)	ENGLISH (COMPULSORY)		

Draft Syllabus for Semester – I, Paper – MA/MB/MC-1 (Hindi Minor)

[क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100]

MA/MB/MC- 1: Paper Code: HINCOR101T/HINMIN101T ; हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

इकाई 1 – आदिकाल

- हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय
- आदिकाल – काल-विभाजन एवं नामकरण
- आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई 2 – भक्तिकाल

- भक्ति आन्दोलन : उद्भव और विकास
- भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई 3 – रीतिकाल

- रीतिकाल : नामकरण
- रीतिकालीन प्रमुख धाराएं एवं उनकी सामान्य प्रवृत्तियों का परिचय

इकाई 4 – आधुनिक काल

- नवजागरण की अवधारणा
- आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप |

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी भाषा – धीरेन्द्र वर्मा
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा. डॉ. नगेन्द्र
5. हिंदी साहित्य का अतीत: भाग 1, 2 – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे
7. रीतिकाल की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
8. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां – नामवर सिंह
9. छायावाद – नामवरसिंह
10. हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास – बच्चन सिंह
11. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
12. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा
13. साहित्य का इतिहास-दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
14. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
15. हिंदी साहित्य कोश: भाग 1, 2

Draft Syllabus for Semester – II, Paper – MA/MB/MC-2 (Hindi Minor)

[क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100]

MA/MB/MC- 2: Paper Code: HINCOR202T/HINMIN202T ; मध्यकालीन हिंदी कविता

इकाई - 1

(क) कबीर (कबीर ग्रंथावली: संपा. श्यामसुंदर दास)

- कस्तूरी कुंडली बसे
- सुखिया सब संसार
- प्रेम न बारि उपजे
- जब मैं था तब हरि नहीं
- जाति न पूछो साधु की

(ख) जायसी (नागमति वियोग-खंड – जायसी ग्रंथावली: संपा. रामचंद्र शुक्ल)

- नागमति चितउर पथ हेरा
- पिउ-वियोग अस बा उर जीऊ
- पाट महादेइ ! हिये न हारू
- चढ़ा असाढ़ गगन घन गाजा
- सावन बरसी मेह अति वानी

इकाई – 2

(क) सूरदास (भ्रमरगीत सार: संपा. रामचंद्र शुक्ल)

- अविगति गति कछु कहत न आवै
- जसोदा हरि पालने झुलावे
- उद्धव धनि तुम्हारे व्यवहार
- आयो घोष बड़ो व्योपारी
- तेरो बुरो न कोउ माने

(ख) तुलसीदास (विनय पत्रिका – गीताप्रेस, गोरखपुर)

- अब लों नसानी अब न नसहौं
- ऐसो कौन उदार जग माहि
- जाऊं कहाँ तजि चरण तिहारे
- देव तू दयालु दीन हौं
- ऐसे हरि करत दास पर प्रीति

इकाई – 3

(क) मीरांबाई (मीरां का काव्य: विश्वनाथ त्रिपाठी)

- मैं तो साँवरे के रंग राची
- हे रि मैं तो प्रेम दीवानी
- पग घुंघरू बाँध मीरां नाची रे
- आली रे म्हारे णण बाण पड़ी
- पायो जी म्हें तो स्याम रतन धन पायो

(ख) रसखान (रीतिकाव्य-संग्रह: जगदीश गुप्त)

- मानुष हौं तो वही रसखान
- या लकुटी अरु कामरिया पर
- धूर भरे अति सोभित स्याम जू
- सेस गनेस महेस दिनेस
- लीने अबीर भरे पिचका

इकाई – 4

(क) बिहारी (बिहारी सतसई: संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर)

- या अनुरागी चित्त की गति
- जप माला छापे तिलक
- नहीं पराग नहीं मधुर मधु
- कहत नटत रीझत खिझत
- मेरी भव बाधा हरौ

(ख) घनानंद (घनानंद कवित्तः संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

- रावरे रूप की नीति अनूप
- अति सूधो सनेह को मारग
- जासो प्रीति ताहि निठुराई
- हीन भए जल मीन अधीन
- नेह निधान सुजान समीप तौ

सहायक ग्रंथः

1. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. जायसी ग्रंथावली की भूमिका – रामचंद्र शुक्ल
3. भ्रमरगीत सार की भूमिका – रामचंद्र शुक्ल
4. त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
5. जायसी – विजयदेव नारायण साही
6. तुलसीदास – माता प्रसाद गुप्त
7. सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
8. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. स्वच्छंद काव्य धारा और घनानंद – मनोहरलाल गौड़
10. रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र
11. रीतिकाव्य – जगदीश गुप्त
12. रीतिकालीन कवियों की प्रेम-व्यंजना – बच्चन सिंह
13. रसखान रत्नावली – राघव रघु
14. कबीर मीमांसा – रामचंद्र तिवारी
15. जायसी: एक नयी दृष्टि – रघुवंश

Draft Syllabus for Semester – III, Paper – MA/MB/MC-3 (Hindi Minor)

[क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100]

MA/MB/MC- 3: Paper Code: HINCOR303T/HINMIN303T ; आधुनिक हिंदी कविता

इकाई 1

(क) भारतेन्दु हरिश्चंद्र – भारतेन्दु संचयन (सं – रामजी यादव)

- नए जमाने की मुकरी

(ख) मैथिलीशरण गुप्त

- दोनों ओर प्रेम पलता है
- मनुष्यता

इकाई 2

(क) जयशंकर प्रसाद:

- मधुप गुनगुना कर कह जाता
- अरी वरुणा की शांत कछार
- ले चल भुलावा देकर

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला':-

- मातृ-वंदना
- तोड़ती पत्थर
- भिक्षुक

इकाई 3

(क) सुभद्रा कुमारी चौहान

- ठुकरा दो या प्यार करो
- वीरों का कैसा हो वसंत
- झांसी की रानी की समाधि पर

(ख) रामधारी सिंह दिनकर

- उद्यमी नर
- शक्ति और क्षमा
- जनतंत्र का जन्म

इकाई 4

(क) नागार्जुन

- अकाल और उसके बाद
- मेरी भी आभा है इसमें
- शासन की बंदूक

(ख) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

- हिरोशिमा
- साँप
- यह दीप अकेला

सहायक ग्रंथ :

1. मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन—डा. नगेंद्र
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
3. जयशंकर प्रसाद- नंददुलारे वाजपेयी
4. निराला आत्महंता आस्था- दूधनाथ सिंह
5. निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा
6. छायावाद: नामवर सिंह
7. त्रयी(प्रसाद, निराला और पंत)- आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
8. मैथिलीशरण गुप्त: प्रासंगिकता के अंतःसूत्र- कृष्णदत्त पालीवाल
9. हिंदी स्वच्छंदतवादी काव्य धारा – प्रेमशंकर
10. सुभद्रा कुमारी चौहान – मंगला अनुज
11. रामधारी सिंह दिनकर – विजयेन्द्र नारायण सिंह
12. नागार्जुन का रचना संसार – बिजय बहादुर सिंह
13. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन – केदार शर्मा

Draft Syllabus for Semester – IV, Paper – MA/MB/MC-4 (Hindi Minor)

[क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100]

MA/MB/MC- 4: Paper Code: HINCOR404T ; हिंदी गद्य साहित्य

इकाई - I : उपन्यास – स्वरूप और संरचना

- गबन – प्रेमचंद

इकाई - II : कहानी – स्वरूप और संरचना

- मुक्तिमार्ग – प्रेमचंद
- परदा – यशपाल
- शरणदाता – अज्ञेय
- सुख – काशीनाथ सिंह
- अकेली – मन्नू भंडारी

इकाई - III : निबंध

- पीछे मत फेंकिये – बालमुकुन्द गुप्त
- साहित्य का उद्देश्य – प्रेमचंद

इकाई – IV : संस्मरण

- भक्तिन – महादेवी वर्मा
- अदम्य जीवन – रांगेय राघव

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
2. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्गता – रामदरस मिश्र
3. कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह
4. हिंदी कहानी : अंतरंग परिचय – रामदरस मिश्र
5. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी
6. हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव
7. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
8. हिंदी गद्य का विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. छायावादोत्तर गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
10. निबंधों की दुनिया – शिवपुजन सहाय ; निर्मला जैन

Draft Syllabus for Semester – V, Paper – MA/MB/MC- 5 (Hindi Minor)

[क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100]

MA/MB/MC- 5 : Paper Code: HINCOR505T ; हिंदी निबंध

इकाई – 1

- साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है – बालकृष्ण भट्ट
- कछुआ धरम – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- कविता क्या है? – रामचंद्र शुक्ल

इकाई – 2

- अशोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
- साहित्यकार की आस्था - महादेवी वर्मा
- भारत की सांस्कृतिक एकता – रामधारी सिंह 'दिनकर'

इकाई – 3

- निंदा रस – हरिशंकर परसाई
- अस्ति की पुकार हिमालय – विद्यानिवास मिश्र

इकाई – 4

- अतीत : एक आत्ममंथन – निर्मल वर्मा
- एक महाकाव्य का जन्म – कुबेर नाथ राय

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी गद्य – विन्यास और विकास
3. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य – हरदयाल
5. निबंधों की दुनिया : विजयदेवनारायण साही – प्र. सं. निर्मला जैन
6. बालकृष्ण भट्ट के निबंध – सत्यप्रकाश मिश्र

Draft Syllabus for Semester – VI, Paper – MA/MB/MC- 6 (Hindi Minor)

[क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100]

MA/MB/MC- 6 : Paper Code: HINCOR606T ; प्रयोजनपरक हिंदी

इकाई – 1

- प्रयोजनमूलक हिंदी : अवधारण और विविध क्षेत्र
- प्रयोजन मूलक हिंदी के सर्जनात्मक आयाम
- कार्यालयी हिंदी और उसकी प्रकृति

इकाई 2 –

- विविध संचार माध्यम : परिचय और कार्यविधि
- श्रव्य माध्यम : रेडियो
- श्रव्य-दृश्य माध्यम: टेलीविजन
- तकनीकी माध्यम : इंटरनेट
- मिश्र माध्यम : विज्ञापन
- समाचार पत्र

इकाई - 3

- संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र
- रेडियो लेखन: उद्घोषणा, कार्यक्रम-संयोजन, संचार, धारावाहिक, फीचर रिपोर्ट, रेडियो नाटक,
- इंटरनेट: सामग्री-सृजन, संयोजन एवं सम्प्रेषण

इकाई- - 4

- अनुवाद की परिभाषा , स्वरूप और महत्व
- अनुवाद के प्रकार

सहायक ग्रंथ:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रघुनन्दन प्रसाद शर्मा
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे
3. कार्यालय में हिंदी प्रयोग की दिशाएँ – सं. उषा शुक्ल
4. सरकारी कार्यालयों में हिंदी प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव
5. प्रारूपण, टिप्पण, प्रूफ पठन – भोलानाथ तिवारी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
7. प्रशासनिक शब्दमालाएँ – शिवनारायण चतुर्वेदी

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – I, Paper – DS-1 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 1: Paper Code: HINDSC101T ; हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास [रीतिकाल तक]

इकाई 1 – हिंदी भाषा के विकास की पूर्व-पीठिका

- भारोपीय भाषा परिवार और आर्यभाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि का सामान्य परिचय)
- हिंदी का प्रारंभिक रूप
- हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल)
- हिंदी भाषा: क्षेत्र और बोलियाँ

इकाई 2 – साहित्येतिहास दर्शन और आदिकाल

- साहित्येतिहास एवं इतिहास-दर्शन
- हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा
- हिंदी साहित्य: काल-विभाजन और नामकरण
- आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ

इकाई 3 – भक्तिकाल

- भक्ति का उदय, भक्ति आन्दोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्तिकाल के विभिन्न संप्रदाय और उनके आचार्य
- भक्तिकाल की विविध धाराएँ और उसकी विशेषताएँ
- भक्तिकालीन प्रमुख कवि और उनके काव्य

इकाई 4 – रीतिकाल

- रीतिकाल की प्रमुख परिस्थितियाँ
- रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- रीतिबद्ध, रीतिमुक्त एवं रीतिसिद्ध काव्य-धाराएँ
- रीत्येतर साहित्य : रीतिकालीन वीर-काव्य, भक्ति-काव्य, नीति-काव्य ।

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी भाषा – धीरेन्द्र वर्मा
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा. डॉ. नगेन्द्र
5. हिंदी साहित्य का अतीत: भाग 1, 2 – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे
7. रीतिकाल की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
8. हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास – बच्चन सिंह
9. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा
11. साहित्य का इतिहास-दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
12. हिंदी साहित्य कोश: भाग 1, 2

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – II, Paper – DS-2 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 2: Paper Code: HINDSC202T ; आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

इकाई – 1

क) अमीर खुसरो – अमीर खुसरो (हरिकृष्ण देवसरे)

दोहा–

- गोरी सोवे सेज पर मुख पर डारे केस... (पृ. 96)
- खुसरो रैन सुहाग की जागी पी के संग... (पृ. 96)
- देख मैं अपने हाल को रोऊँ... (पृ. 98)
- चकवा चकवी दो जने... (पृ. 98)
- सेज सूनी देख के... (पृ. 98)

ख) कबीर – कबीर ग्रंथावली (संपादक – श्यामसुंदर दास)

साखी –

- | | |
|------------------|--|
| गुरुदेव को अंग – | पीछे लागा जाइ था, लोक वेद के साथि... (11) |
| | सतगुर हम सँ रीझि करि, एक कह्या प्रसंग... (33) |
| सुमिरण को अंग – | भगति भजन हरि नाँव है, दूजा दुख अपार... (4) |
| | तूँ तूँ करता तूँ भया, मुझ मैं रही न हूँ... (9) |
| बिरह को अंग – | बिरह भुजंग तन बसै, मंत्र न लागै कोइ... (18) |
| | बिरहा बुरहा जिनि कहौ, बिरहा है सुलितान... (21) |
| परचा को अंग – | पार ब्रह्म के तेज का, कैसा है उनमान... (3) |
| | कबीर कंवल प्रकासिया, ऊग्या निर्मल सूर... (43) |

पदसंख्या : 156 – अकथ कहाँणी प्रेम की, कछु कही न जाई...

307 - बाल्हा आव हमारे गेहु रे, तुम्ह बिन दुखिया देह रे...

इकाई 2

क) जायसी – पदमावत (संपादक – वासुदेव शरण अग्रवाल)

मानसरोदक खण्ड (प्रारंभिक 4 कड़वक)

ख) तुलसीदास – कवितावली (गीताप्रेस, गोरखपुर; संस्करण संख्या 2052)

अयोध्याकाण्ड (पद संख्या) –

1. कीरके कागर ज्यों नृपचीर...
8. पात भरी सहरी सकल सुत बारे-बारे...
18. बनिता बनि स्यामल गौर के बीच...
19. सांवरे गोर सलोने सुभाय...
22. सुनि सुंदर बैन सुधा रस सानै...

इकाई – 3

क) सूरदास – सूर-सुषमा (संपादक – नंददुलारे वाजपेयी)

- पद संख्या –
1. अबिगत गति कुछ कहत न आवै...
 19. सोभित कर नवनीत लिए...
 36. खेलत में को काको गुसैया...
 100. बिनु गुपाल बैरिनि भई कुंजै...
 151. ऊधो मोहिं ब्रज बिसरत नाही...

(ख) मीरांबाई – मीरांबाई - पदावली (संपादक – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी)

- पद संख्या –
3. बस्याँ म्हारे णेणण में नंदलाल...
 17. म्हाँ गिरधर आगाँ नाच्या री...
 33. राणो जी म्हांने या बदनामी लगे मीठी...
 36. पद बाँध घुँघरयाँ णाच्याँ री...
 70. हेरी म्हाँ दरद दिवाणी म्हारां दरद न जाण्यां कोय...

इकाई – 4

रीति-काव्य-संग्रह (संपादक – जगदीश गुप्त)

क) बिहारीलाल

- दोहा संख्या :
1. मेरी भव बाधा हरौ...
 11. कहत नटत रीझत खीझत...
 13. नहिं पराग नहिं मधुर मधु...
 33. जप माला छापा तिलक...
 93. बतरस लालच लाल की...
 97. कहलाने एकत बसत...
 112. चिरजीवौ जोरी जुरै...

(ख) घनानंद

- पद संख्या :
1. रूप निधान सुजान सखी...
 2. मति सुजान अनीति करौ...
 3. रावरो रूप की रीति अनूप...
 23. अति सूधो सनेह को मारग है...
 43. झलकै अति सुंदर आनन गौर...

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी साहित्य के विभिन्न इतिहास ग्रंथ
2. अमीर खुसरो का हिंदवी काव्य – गोपीचंद नारंग
3. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर – विजयेंद्र स्नातक
5. अकथ कहानी प्रेम की – पुरुषोत्तम अग्रवाल
6. जायसी ग्रंथावली – रामचंद्र शुक्ल
7. जायसी – विजयदेव नारायण साही
8. सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
9. त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
10. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
11. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी

12. तुलसी काव्य-मीमांसा – उदयभानु सिंह
13. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी
14. भक्ति-आंदोलन और भक्ति-काव्य – शिवकुमार मिश्र
15. रीतिकाव्य की भूमिका – नगेंद्र
16. बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
17. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह
18. बिहारी रत्नाकर – जगन्नाथदास रत्नाकर
19. घनानंद – लल्लन राय
20. घनानंद का काव्य – रामदेव शुक्ल
21. घनानंद ग्रंथावली – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
22. रसखान रत्नावली – राघव रघु
23. मध्ययुगीन प्रेमाख्यानक – श्याम मनोहर पाण्डेय
24. स्वच्छंदतावादी काव्यधारा और घनानंद – मनोहरलाल गौड़

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – III, Paper – DS-3 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 3: Paper Code: HINDSC303T ; हिंदी साहित्य का इतिहास [आधुनिक काल]

इकाई - 1

- आधुनिक काल की पृष्ठभूमि
- भारतीय नवजागरण और हिन्दी नवजागरण की अवधारणा
- हिन्दी नवजागरण और भारतेन्दु
- द्विवेदीयुग और खड़ीबोली आंदोलन
- भारतेन्दु और द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई - 2

- छायावादी काव्य आंदोलन: परिवेश और प्रवृत्तियाँ तथा प्रमुख रचनाकार
- उत्तर-छायावादी काव्य
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद और नयी कविता
- साठोत्तरी कविता
- नवगीत
- समकालीन कविता

इकाई - 3

- नाटक का उद्भव-विकास
- उपन्यास का उद्भव-विकास
- कहानी का उद्भव-विकास

इकाई - 4

- निबंध का उद्भव-विकास
- आलोचना का आरंभ और विकास
- गद्य की अन्य विधाएँ : जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, रिपोर्टाज, डायरी, आदि।

सहायक ग्रंथ:

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
2. भारतेन्दु और हिन्दी नवजागर की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा
3. हिन्दी गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
4. आधुनिक साहित्य – नन्ददुलारे बाजपेयी
5. छायावाद – नामवर सिंह
6. हिन्दी नवगीत : उद्भव और विकास – राजेंद्र गौतम
7. समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – डॉ. रामविलास शर्मा
9. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
11. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
12. समकालीन काव्य-यात्रा – नंदकिशोर नवल
13. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
14. आधुनिक हिंदी कविता : युगीन संदर्भ – अरुण होता
15. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
16. हिंदी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय
17. हिंदी निबंध – प्रभाकर माचवे
18. कविता का समकालीन प्रमेय – अरुण होता
19. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – IV, Paper – DS-4 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 4: Paper Code: HINDSC404T ; आधुनिक हिंदी कविता [छायावाद तक]

इकाई – 1

(क)

भारतेन्दु हरिश्चंद्र

- भारत-दर्शना
- जातीय संगीत

(ख)

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

- फूल और काँटा
- कर्मवीर
- परिवर्तन
- भाषा

इकाई – 2

(क)

श्रीधर पाठक

- निज स्वदेश ही
- भारत-भूमि
- पुनर्मिलन
- सांध्य-अटन

(ख)

रामनरेश त्रिपाठी

- पथिक (पाँचवाँ सर्ग)

इकाई – 3

(क) जयशंकर प्रसाद

- ले चल वहाँ भुलावा देकर
- बीती विभावरी जाग री
- जगती की मंगलमयी उषा बन
- पेशोला की प्रतिध्वनि

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

- वर दे वीणा वादिनी वर दे
- बादल राग –6
- हिंदी के सुमनों के प्रति पत्र
- महंगू महंगा रहा

इकाई – 4

(क) सुमित्रानंदन पंत

- प्रथम रश्मि
- बादल
- मौन निमंत्रण
- नौका विहार

(ख) महादेवी वर्मा

- विरह का जलजात जीवन विरह का जलजात
- कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो
- पंथ रहने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला
- यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास के विविध ग्रंथ
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
3. जयशंकर प्रसाद- नंददुलारे वाजपेयी
4. निराला आत्महंता आस्था- दूधनाथ सिंह
5. निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा
6. छायावाद: नामवर सिंह
7. त्रयी(प्रसाद, निराला और पंत)- आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
8. हिंदी स्वच्छंदतवादी काव्य धारा – प्रेमशंकर

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – IV, Paper – DS-5 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 5: Paper Code: HINDSC405T ; छायावादोत्तर हिंदी कविता

इकाई – 1

(क) नागार्जुन

- वह दंतुरित मुस्कान
- बहुत दिनों के बाद
- हरिजन-गाथा

(ख) अज्ञेय

- कलगी बाजरे की
- नदी के द्वीप
- जो कहा नहीं गया

इकाई – 2

(क) मुक्तिबोध

- ब्रह्मराक्षस

(ख) धूमिल

- रोटी और संसद
- प्रौढ़ शिक्षा
- किस्सा जनतंत्र का

इकाई – 3

(क) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

- सौंदर्य-बोध
- भूख
- भेड़िया-2 और 3

(ख) केदारनाथ सिंह

- बढ़ई और चिड़िया
- रोटी
- पानी में धिरे हुए लोग

इकाई – 4

(क) शमशेर बहादुर सिंह

- अमन का राग
- बात बोलेगी
- घिर गया है समय का रथ

(ख) रघुवीर सहाय

- दो अर्थ का भय
- नेता क्षमा करें
- दुनिया

सहायक ग्रंथ:

1. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
2. नई कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
3. आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. समकालीन कविता का प्रमेय – अरुण होता
5. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव
6. समकालीन काव्य यात्रा – नंद किशोर नवल
7. कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह
8. समकालीन हिंदी कविता – रवीन्द्र भ्रमर
9. उत्तर छायावादी काव्यभाषा – हरिमोहन शर्मा
10. सुंदर का स्वप्न – अपूर्वानंद
11. समकालीनता और साहित्य – राजेश जोशी
12. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
13. नयी कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा
14. छठवां दशक – विजयदेव नारायण साही
15. नए विमर्श और समकालीन कविता – जितेंद्र श्रीवास्तव
16. समकालीन कविता: संदर्भ और चुनौतियां – सं. अरुण होता

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – IV, Paper – DS-6 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 6: Paper Code: HINDSC406T ; भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई-1

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन

इकाई-2

रस सिद्धान्त

- रस के अवयव
- रस-निष्पत्ति

अलंकार सिद्धान्त

- अलंकार की अवधारणा
- अलंकार और अलंकार्य

इकाई-3

रीति सिद्धान्त

- रीति की अवधारणा
- रीति एवं गुण

ध्वनि सिद्धान्त

- शब्दशक्ति
- ध्वनि की अवधारणा और स्वरूप
- ध्वनि के भेद

इकाई- 4

वक्रोक्ति सिद्धान्त

- वक्रोक्ति की अवधारणा
- वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजना

औचित्य सिद्धांत

- काव्य तत्वों का संतुलन

सहायक ग्रंथ:

1. रस मीमांसा – रामचन्द्र शुक्ल
2. रस-सिद्धान्त – नगेन्द्र
3. काव्य दर्पण – रामदहीन मिश्र
4. साहित्य सहचर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. भारतीय काव्यशास्त्र : सुबोध विवेचन – सत्यदेव चौधरी
6. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
7. साहित्य का स्वरूप – नित्यानन्द तिवारी
8. काव्य तत्व विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी
9. काव्य के तत्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा
10. सिद्धांत और अध्ययन – गुलाब राय

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – IV, Paper – DS-7 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 7: Paper Code: HINDSC407T ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई- 1

- प्लेटो – काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- अरस्तू- अनुकरण सिद्धान्त
- लोंजाइनस- काव्य में उदात्त की अवधारणा

इकाई- 2

- विलियम वर्ड्सवर्थ का आलोचक स्वरूप
- कॉलरिज - कल्पना सिद्धान्त
- मैथ्यू आर्नल्ड के साहित्य-सिद्धान्त

इकाई- 3

- इलियट- निर्वैक्तिकता का सिद्धान्त
- क्रोंचे - अभिव्यंजनावाद
- रिचर्ड्स - संप्रेषण का सिद्धान्त

इकाई- 4

- नई समीक्षा : प्रवृत्तियाँ, सैद्धांतिक अवधारणा और प्रमुख समीक्षक
- मार्क्सवादी समीक्षा
- मनोविश्लेषणवाद
- संरचनावाद और उत्तर-संरचनावाद
- आधुनिकता और उत्तर-आधुनिकतावाद

सहायक ग्रंथ:

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. हिंदी साहित्य कोश – सं. धीरेन्द्र वर्मा
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन
4. आस्था के चरण – नगेंद्र
5. हिंदी आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह
6. आलोचना से आगे – सुधीश पचौरी
7. मिथकीय अवधारणा और यथार्थ – रमेश गौतम
8. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – सं. अमरनाथ शर्मा
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त – शांतिस्वरूप गुप्त
10. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ – सत्यदेव मिश्र

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – V, Paper – DS-8 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 8: Paper Code: HINDSC508T ;भाषा विज्ञान

इकाई- 1

- भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्षण, भाषा के प्रकार
- भाषा और बोली का अंतर्संबंध
- भाषा की परिवर्तनशीलता

इकाई- 2

- स्वनिम विज्ञान की परिभाषा, स्वन और वागीन्द्रिय
- स्वनों का वर्गीकरण- स्थान और प्रयत्न के आधार पर
- ध्वनि परिवर्तन के कारण

इकाई- 3 : वाक्य विज्ञान

- वाक्य की परिभाषा
- वाक्य के अनिवार्य तत्व
- वाक्य के प्रकार
- वाक्य परिवर्तन के कारण

इकाई- 4

- अर्थ विज्ञान की परिभाषा
- शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी भाषा – डॉ. हरदेव बाहरी
2. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका- डॉ. देवेन्द्र शर्मा
4. भाषा के विज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा- द्वारिका प्रसाद सक्सेना
5. आधुनिक भाषा विज्ञान- राजमणि शर्मा

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – V, Paper – DS-9 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 9: Paper Code: HINDSC509T : हिंदी उपन्यास

इकाई – 1

प्रेमचंद – कर्मभूमि

इकाई – 2

मन्नू भण्डारी – आपका बंटी

इकाई – 3

भीष्म साहनी – तमस

इकाई – 4

गीतांजलि श्री – माई

सहायक ग्रंथ:

1. प्रेमचंद : उपन्यास संबंधी निबंध (विविध प्रसंग भाग - 3)
2. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
3. उपन्यास और लोकजीवन – राल्फ फॉक्स
4. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्गता – रामदरश मिश्र
5. हिंदी उपन्यास का पुनर्जन्म – परमानंद श्रीवास्तव
6. कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा
7. सृजनशीलता का संकट – नित्यानंद तिवारी
8. हिंदी उपन्यास – संपा. नामवर सिंह
9. आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय
10. हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास – रामचंद्र तिवारी
11. कसौटी 15 – सं. नंद किशोर नवल
12. हिंदी उपन्यास का विकास – मधुरेश
13. उपन्यास का शिल्प – त्रिभुवन सिंह
14. उपन्यास कला और सिद्धांत – सं. विनोद तिवारी, अजय आनंद

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – V, Paper – DS-10 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 10: Paper Code: HINDSC510T : हिंदी कहानी

इकाई – 1

- उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- सदगति - प्रेमचंद
- पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद
- पाजेब - जैनेन्द्र

इकाई – 2

- मलवे का मालिक - मोहन राकेश
- परिंदे - निर्मल वर्मा
- तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु
- चीफ की दावत - भीष्म साहनी

इकाई – 3

- रोज - अज्ञेय
- जिंदगी और जोंक - अमरकांत
- वापसी - ऊषा प्रियंवदा
- छोटे-छोटे ताजमहल - राजेंद्र यादव

इकाई – 4

- बदबू - शेखर जोशी
- पॉल गोमरा का स्कूटर - उदयप्रकाश
- चिठ्ठी - अखिलेश
- प्रतियोगी - नीलाक्षी सिंह

सहायक ग्रंथ:

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
2. कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
3. नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
4. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
5. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेंद्र चौधरी
6. हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव
7. हिंदी कहानी अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र
8. कहानी का विकास – मधुरेश
9. हिंदी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
10. एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव
11. समकालीन कहानी का नया परिप्रेक्ष्य – पुष्पपाल सिंह
12. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी
13. समय और साहित्य – विजयमोहन सिंह
14. हिंदी कहानी का पहला दशक – सं. भवदेव पाण्डेय

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – V, Paper – DS-11 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 11: Paper Code: HINDSC511T : हिंदी नाटक एवं एकांकी

इकाई – 1

अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चंद्र

इकाई – 2

ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

इकाई – 3

आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश

इकाई – 4

स्ट्राइक - भुवनेश्वर
लक्ष्मी का स्वागत - उपेन्द्र नाथ अशक
रीढ़ की हड्डी - जगदीशचंद्र माथुर

सहायक ग्रंथ:

1. नाटक – भारतेन्दु हरिश्चंद्र
2. रंगमंच – जयशंकर प्रसाद
3. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना – सत्येंद्र तनेजा
4. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – सं. नेमिचंद जैन
5. हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार
6. हिंदी नाटक उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
7. जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि – महेश आनंद
8. जयशंकर प्रसाद : रंगसृष्टि – महेश आनंद
9. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक
10. हिंदी रंगचेतना और हिंदी नाटककार – जयदेव तनेजा
11. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी
12. एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेन्द्र
13. मोहन राकेश : रंगशिल्प और प्रदर्शन – जयदेव तनेजा
14. आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श – जयदेव तनेजा

For 4-Year Honours / Honours with Research

Draft Syllabus for Semester – VI, Paper – DS-12 (Hindi Major)

क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100

DS- 12: Paper Code: HINDSC612T : हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

इकाई – 1 निबंध

भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है?	-	भारतेन्दु हरिश्चंद्र
कवि कर्तव्य	-	महावीर प्रसाद द्विवेदी
लोकमंगल की साधनावस्था	-	रामचंद्र शुक्ल
आम फिर बौरा गए	-	हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई – 2 निबंध

रुढ़ि और मौलिकता	-	अज्ञेय
कलाकार की व्यक्तिगत ईमानदारी	-	गजानन माधव मुक्तिबोध
मेरे राम का मुकुट भींग रहा है	-	विद्यानिवास मिश्र
परंपरा का मूल्यांकन	-	रामविलास शर्मा

इकाई – 3 जीवनी/आत्मकथा

कलम का सिपाही (खंड: 8)	-	अमृत राय
क्या भूलूं क्या याद करूँ		
(संस्करण: राजपाल एण्ड संस, 8वां संस्करण: 2016		
पृष्ठ संख्या: 192 से 198 तक)	-	हरिवंश राय बच्चन

इकाई – 4 संस्मरण/रेखाचित्र/यात्रा-वृत्तांत

संस्मरण : वसंत का अग्रदूत	-	अज्ञेय
रेखाचित्र : रजिया	-	रामवृक्ष बेनीपुरी
यात्रा-वृत्तांत : किन्नर देश की ओर	-	राहुल सांकृत्यायन

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप विश्लेषण – विनीता अग्रवाल
3. हिंदी गद्य – विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. भारतेन्दु युग – रामविलास शर्मा
5. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6. आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य – हरदयाल
7. निबंधों की दुनिया : विजयदेवनारायण साही – प्र. सं. निर्मला जैन
8. हिंदी निबंध : एक यात्रा – संपा. सिद्धिनाथ श्रीवास्तव
9. परंपरा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – VI, Paper – DS-13 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 13: Paper Code: HINDSC613T : हिंदी आलोचना

इकाई – 1 हिंदी आलोचना : निर्माण-काल

- हिंदी आलोचना का स्वरूप और विकास
- भारतेन्दु-युगीन आलोचना
- द्विवेदी-युगीन आलोचना

इकाई – 2 शुक्ल-युगीन हिंदी आलोचना

- रामचंद्र शुक्ल की आलोचना-दृष्टि
- शुक्लानुवर्ती आलोचकों की आलोचना-दृष्टि
- छायावादी कवियों की आलोचना दृष्टि

इकाई – 3 शुक्लोत्तर आलोचना की दिशाएँ

- नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना-दृष्टि
- हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना-दृष्टि
- नगेन्द्र की आलोचना-दृष्टि

इकाई – 4 प्रगतिवादी आलोचना एवं हिंदी आलोचना का समकालीन परिदृश्य

- रामविलास शर्मा की आलोचना-दृष्टि
- नामवर सिंह की आलोचना-दृष्टि
- हिंदी आलोचना का समकालीन परिदृश्य

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिन्दी आलोचना का विकास – मधुरेश
3. हिन्दी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल
4. हिन्दी आलोचना के आधार-स्तम्भ – संपा. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
5. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह
6. रस विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी
7. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी – निर्मला जैन
8. आलोचना के परिसर – गोपेश्वर सिंह
9. साहित्य का समाजशास्त्र और हिंदी आलोचना – दुर्गा प्रसाद सिंह
10. भाषा आलोचना और आलोचक दृष्टि – कृष्णदत्त शर्मा
11. आधुनिकता और हिंदी आलोचना – इन्द्रनाथ मदान
12. साहित्य और इतिहास-दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – VI, Paper – DS-14 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 14: Paper Code: HINDSC614T : प्रेमचंद

इकाई – 1 कहानी

- पूस की रात
- शतरंज के खिलाडी
- पंच परमेश्वर
- नशा
- कफ़न

इकाई – 2 निबंध

- साहित्य का उद्देश्य
- बच्चों को स्वाधीन बनाओ
- महाजनी सभ्यता

इकाई – 3 उपन्यास

- गोदान

इकाई – 4 जीवनी साहित्य

- कलम का मजदूर ('कलम का मजदूर' पुस्तक से) – मदन गोपाल
- बेटी की शादी ('प्रेमचंद घर में' पुस्तक से) – शिवरानी देवी

सहायक ग्रंथ:

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
2. प्रेमचंद : उपन्यास संबंधी निबंध (‘विविध प्रसंग भाग-3’)
3. प्रेमचंद एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान
4. विविध प्रसंग – प्रेमचंद
5. कलम का सिपाही – अमृत राय
6. प्रेमचंद – सं. सत्येंद्र
7. हिंदी उपन्यास – सं. नामवर सिंह
8. प्रेमचंद रचना संचयन – निर्मल वर्मा, कमल किशोर गोयनका
9. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान – कमल किशोर गोयनका
10. प्रेमचंद : अध्ययन की नई दिशाएं – कमल किशोर गोयनका
11. प्रेमचंद वाद, प्रतिवाद, संवाद – कमल किशोर गोयनका
12. प्रेमचंद कहानी रचनावली (6 खंड) – कमल किशोर गोयनका
13. प्रेमचंद : विरासत का सवाल – शिवकुमार मिश्र
14. प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी
15. कलम का मजदूर – मदन गोपाल

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – VI, Paper – DS-15 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 15: Paper Code: HINDSC615T : हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

इकाई – 1

- साहित्यिक पत्रकारिता : अर्थ, अवधारणा और महत्व
- भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ
- द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई – 2

- छायावादी साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ
- साहित्यिक पत्रकारिता और प्रेमचंद
- मूल्य भित्ति पत्रकारिता और माखनलाल चतुर्वेदी

इकाई – 3

- स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ
- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ
- हिंदी गद्य के निर्माण में कलकत्ते की पत्रकारिता का योग

इकाई – 4 महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ

- देवनागर
- प्रतीक
- सारिका
- कल्पना
- नयी कहानियाँ
- दिनमान
- धर्मयुग
- निकष

- आलोचना
- समालोचक

सहायक ग्रंथ:

1. संचार कला – हरिमोहन
2. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास – डॉ. अर्जुन तिवारी
3. आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी
4. हिन्दी पत्रकारिता - डॉ. धीरेन्द्रनाथ सिंह
5. हिन्दी पत्रकारिता का नया स्वरूप - डॉ. बच्चन सिंह
6. समाचार और संवाददाता – काशीनाथ गोविंद जोगलेकर
7. हिन्दी पत्रकारिता के नये प्रतिमान - डॉ. बच्चन सिंह
8. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी और साहित्यिक पत्रकारिता – डॉ. इंद्रसेन सिंह
9. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्णबिहारी मिश्र
10. राष्ट्रीय नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता – मीरा रानी बल

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – VII, Paper – DS-16 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 16: Paper Code: HINDSC716T : संत साहित्य

इकाई – 1 नामदेव ('संत-काव्य' : संपा. परशुराम चतुर्वेदी)

- पद संख्या : 1 – एक अनेक विआपक पूरक, जत देषउ तत सोई
- 2 – आनीले कुंभ भराईले ऊदक, ठाकुर कउ इसनान करउ
- 4 – मनकी बरिथा मनुही जानै, कै बूझल आगे कहीए
- 5 – सापु कुंच छोड़ै विषु नहीं छाड़ै
- 11 – मैं बउरी मेरा राम भतारु रचि रचि ताकउ करउ सिंगार

इकाई - 2 कबीर ('कबीर-ग्रंथावली' : संपा. श्यामसुंदर दास)

- कथनी बना करणी कौ अंग (दोहा संख्या - 2, 4)
- साँच कौ अंग (दोहा संख्या - 6, 14)
- सूरा तन कौ अंग (दोहा संख्या - 9, 21)
- निंघा कौ अंग (दोहा संख्या - 3, 8)
- गुरुदेव कौ अंग (दोहा संख्या - 15, 27)
- पद संख्या : 1- दुल्हनी गावहु मंगलचार
- 59 – काजी कौन कतेब बखानै

इकाई – 3 रैदास ('संत-काव्य' : संपा. परशुराम चतुर्वेदी)

- पद संख्या : 3 – माधो भरम कैसेहु न बिलाई
- 6 – संतो अनिन भगति यह नहीं
- 10 – नरहरि चंचल है मति मेरी
- 20 – तुम चंदन हम इंरड बापुरे
- 24 – जलकी भीति पवन का थंबा

इकाई – 4 दादू दयाल ('संत-काव्य' : संपा. परशुराम चतुर्वेदी)

- साखी संख्या : 2 – सतगुरु कीया फेरि करि
 9 – मनका आसण जे जिव जाणै
 18 – जहां सुरति तंह जीव हैं
 21 – जे मति पीछै उपजै
 27 – पहिली आगम विरह का
 31 – बिरह अगनि में जलि गये
 33 – राम विरहनी ह्वै रह्या
 34 – दादू इसक अलह की जाति है
 41 – दादू सबद अनाहद हम सुन्या
 53 – प्रेम पियाला रामरस
- पद संख्या : 7 – अलह राम छूटा भ्रम मोरा
 8 – क्यों करि यहु जग रच्यौ गुसाईं

संदर्भ-ग्रंथ:

1. हिन्दी साहित्य इतिहास के विविध ग्रंथ
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ- योगेंद्र प्रताप सिंह
3. कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर- विजयेन्द्र स्नातक
5. कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत
6. निर्गुण काव्य में नारी- अनिल राय
7. नाथ और संत साहित्य - डॉ. नगेंद्र नाथ उपाध्याय
8. हिन्दी साहित्य में निर्गुण संप्रदाय - परशुराम चतुर्वेदी
9. हिन्दी संतों की उलटबांसी - डॉ. रमेशचन्द्र मिश्र
10. संत-काव्य – संपा. परशुराम चतुर्वेदी

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – VII, Paper – DS-17 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 17: Paper Code: HINDSC717T : तुलसीदास

इकाई – 1 **रामचरित मानस - 'कलि वर्णन' (उत्तरकाण्ड)**

इकाई – 2 **दोहावली**

- **दोहा संख्या :** 28. रामनाम कलि कामतरु राम भगति सुरधेनु
 86. प्रीति राम सों नीति पथ चलिए राग रिस जीति
 101. संकरप्रिय मम द्रोही शिवद्रोही मम दास
 256. घर कीन्हें घर जात है घर छाड़ैं घर जाई...
 277. एक भरोसो एक बल एक आस बिस्वास...
 280. रटत रटत रसना लटी तृषा सूखिगै अंग...
 285. मान राखिबो, माँगबो पिय सों नित नव नेहु...
 302. बध्यो बधिक परयो पुन्यजल उलटि उठाई चोंच...
 522. मुखिया मुख सो चाहिए, खान पान को एक...
 564. तुलसी पावस के समय धरी कोकिलन मौन...

इकाई – 3 **कवितावली**

- **पद संख्या :** 97. खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि
 105. आगम बेद, पुरान बखानत, मारग कोटिन जाहि न जानै
 106. धूत कहो अवधूत कहो रजपूत कहौ जुलहा कहो कोई
 118. भौंह, कमान, संधान, सुठान जे नारि बिलोकनि बान ते बांचै
 129. अंतरजामिहुँ तें बड़ बाहरजामि हैं राम, जे नाम लिए तें

इकाई – 4 **विनय पत्रिका**

- **पद संख्या :** 45. श्रीराम चंद्र कृपालु भजु मन हरण भव भय दारुनं
 88. कबहूँ मन बिस्राम न मान्यौ
 124. जौ निज मन परिहरै बिकारा
 174. जाके प्रिय न राम बैदेही
 198. मन पछितैहै अवसर बीते

सहायक ग्रंथ:

1. तुलसी ग्रंथावली – नागरी प्रचारिणी सभा
2. गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
3. त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
4. भारतीय सौंदर्य बोध और तुलसीदास – रामविलास शर्मा
5. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह
6. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी
7. तुलसीदास – रामचंद्र तिवारी
8. तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन – सं. अजय तिवारी
9. तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त
10. तुलसी : आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल मेघ
11. तुलसी प्रतिभा – सं. इंद्रनाथ मदान

For 4-Year Honours / Honours with Research

Draft Syllabus for Semester – VIII, Paper – DS-18 (Hindi Major)

क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100

DS- 18: Paper Code: HINDSC818T : अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

इकाई – 1 अस्मितामूलक विमर्श : स्वरूप, संभावनाएं और चुनौतियां

- दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और आंबेडकर
- स्त्री विमर्श : अवधारणाएं और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय) रैडिकल, मार्क्सवादी, उदारवादी, यौनिकता, लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता
- आदिवासी विमर्श – अवधारणा और आंदोलन

इकाई – 2 विमर्श-मूलक कथा-साहित्य

- ओमप्रकाश बाल्मीकि – सलाम
- हरिराम मीणा – धूनी तपे तीर (पृष्ठ संख्या : 158 से 167 तक)
- रोज केरकेट्टा - फिक्स्ड डिपॉजिट

इकाई - 3 विमर्श-मूलक कविता

कविता का 'दलित-स्वर'

- अछूतानन्द - दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे
- नगीना सिंह - कितनी व्यथा
- माता प्रसाद - सोनवा का पिंजरा

कविता का 'स्त्री-स्वर'

- कीर्ति चौधरी - सीमा रेखा
- कात्यायनी - सात भाइयों के बीच चम्पा
- सविता सिंह - मैं किसकी औरत हूँ

कविता का 'आदिवासी-स्वर'

- ग्रेस कुजूर – हे समय के पहेरेदारो!
- निर्मला पुतुल - तुम्हारे एहसान लेने से पहले सोचना होगा हमें
- अनुज लुगुन – ससनदिरी

इकाई - 4 विमर्शमूलक अन्य विधाएँ

- प्रभा खेतान - अन्या से अनन्या (पृष्ठ संख्या : 28 से 42 तक)
- तुलसीराम - मुर्दहिया (अध्याय – 4 : 'मुर्दहिया के गिद्ध तथा लोकजीवन')
- मेरा जीवन मेरी कहानी – बारा भास्करन (अनुवाद - सुमित पी.वी.)
- इतिहासकारों के लिए आसान नहीं होता तटस्थ रहना - हेरॉल्ड एस. तोपनो

सहायक ग्रंथ:

1. स्त्री उपेक्षिता – प्रभा खेतान (सिमोन द बउआर की पुस्तक 'द सेकेंड सेक्स' का हिंदी रूपांतरण)
2. गुलमगिरी – ज्योतिबा फुले
3. आंबेडकर रचनावली- भाग-1
4. उपनिवेश में स्त्री- प्रभा खेतान
5. स्त्री अस्मिता साहित्य और अवधारणा – सुधा सिंह
6. आधुनिकता के आईने में दलित – संपा. अभय कुमार दुबे
7. शिकंजे का दर्द – सुशीला टांकभौरै
8. जूठन – ओमप्रकाश बाल्मीकि
9. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र – शरण कुमार लिंगबाले
10. दलित आंदोलन का इतिहास – मोहनदास नैमिशराय
11. नारीवादी राजनीति – जिनी निवेदिता
12. हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणाएँ और दिशाएँ – रजत रानी मीनू
13. औरत होने की सजा – अरविंद जैन
14. आदिवासी अस्मिता का संकट - रमणिका गुप्ता
15. आदिवासी और विकास का भद्रलोक – हेरॉल्ड एस. तोपनो
16. बिरुवार गमछा तथा अन्य कहानियाँ – रोज केरकेट्टा
17. मेरा जीवन मेरी कहानी – बारा भास्करन (हिंदी अनुवाद : सुमित पी.वी.)

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – VIII, Paper – DS-19 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 19 : Paper Code: HINDSC819T : समकालीन हिंदी कविता

इकाई – 1 कुँवर नारायण

- चक्रव्यूह
- बाजारों की तरफ भी
- आजकल कबीरदास

राजेश जोशी

- बच्चे काम पर जा रहे हैं
- मारे जाएंगे
- झाड़ू की नीतिकथा

इकाई – 2 अरुण कमल

- एकालाप
- नये इलाके में
- निर्बल के गीत

अनामिका

- कूड़ा बीनते बच्चे
- नमक
- बेजगह

इकाई - 3

मंगलेश डबराल

- पहाड़ पर लालटेन

- सभ्यता
- नया डर

ज्ञानेंद्रपति

- खेवली तक सड़क नहीं आती
- आशीर्वाद
- जेब्रा भर की ज़मीन

इकाई - 4 जितेंद्र श्रीवास्तव

- जरूर जाऊंगा कलकत्ता
- सोनचिरई
- बिलकुल तुम्हारी तरह

जसिंता केरकेट्टा

- गुलाम
- क्या लौटा सकोगे ?
- रिसता हुआ दर्द

सहायक ग्रंथ:

1. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
2. नई कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
3. आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. समकालीन कविता का प्रमेय – अरुण होता
5. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव
6. समकालीन काव्य यात्रा – नंद किशोर नवल
7. कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह
8. समकालीन हिंदी कविता – रवीन्द्र भ्रमर
9. उत्तर छायावादी काव्यभाषा – हरिमोहन शर्मा
10. सुंदर का स्वप्न – अपूर्वानंद
11. समकालीनता और साहित्य – राजेश जोशी
12. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
13. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी – संपा. रमणिका गुप्ता
14. नए विमर्श और समकालीन कविता – जितेंद्र श्रीवास्तव
15. समकालीन कविता: संदर्भ और चुनौतियां – सं. अरुण होता

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – VIII, Paper – DS-20 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 20 : Paper Code: HINDSC820T : प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई - 1

- प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप और अवधारणा
- प्रयोगात्मक क्षेत्र
- कार्यालयी हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण

इकाई – 2

- हिंदी की शैलियां: हिंदी, उर्दू और हिंदुस्थानी
- हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता प्रकार और शैली

इकाई – 3

- वैज्ञानिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण
- व्यावसायिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण
- संचार माध्यम आकाशवाणी, चलचित्र, दूरदर्शन) और उसके प्रमुख लक्षण

इकाई – 4

- भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार
- टिप्पणी तथा मसौदा लेखन
- सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र-लेखन
- हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति

सहायक ग्रंथ:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रघुनन्दन प्रसाद शर्मा
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे
3. कार्यालय में हिंदी प्रयोग की दिशाएँ – सं. उषा शुक्ल
4. सरकारी कार्यालयों में हिंदी प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव
5. प्रारूपण, टिप्पण, प्रूफ पठन – भोलानाथ तिवारी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
7. प्रशासनिक शब्दमालाएँ – शिवनारायण चतुर्वेदी

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – VIII, Paper – DS-21 (Hindi Major)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
DS- 21 : Paper Code: HINDSC821T : राष्ट्रीय काव्यधारा

इकाई – 1 मैथिलीशरण गुप्त

- हमारी सभ्यता (‘भारत-भारती’ : ‘अतीत खण्ड’ से)
- मातृभूमि
- मनुष्यता
- किसान

इकाई – 2 रामधारी सिंह दिनकर

- हिमालय
- विपथगा
- रश्मिरथी (प्रथम सर्ग)
- समर शेष है

इकाई – 3 माखनलाल चतुर्वेदी

- युग-ध्वनि
- कैदी और कोकिला
- जवानी
- घर मेरा है

इकाई – 4 सुभद्रा कुमारी चौहान

- झांसी की रानी
- जालियांवाला बाग में वसंत
- राखी
- वीरों का कैसा हो वसंत

सहयक ग्रंथ:

1. आधुनिक हिन्दी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
2. मैथिलीशरण गुप्त: व्यक्ति और काव्य - कमलाकांत पाठक
3. प्रसाद, पंत ओर मैथलीशरण - रामधारी सिंह दिनकर
4. युगचरण दिनकर – डॉ. सावित्री सिन्हा
5. दिनकर के काव्य मे मानवतावादी प्रेम चेतना – डॉ.मधुबाला
6. दिनकर के काव्य मे वस्तु विधान - डॉ. इंदुवशिष्ठ

For 4-Year Honours / Honours with Research
Draft Syllabus for Semester – VII, Paper – SM-1 (Special Minor)
क्रेडिट – 5 ; Class – 75 (60 Lecture + 15 Tutorial) ; अंक – 100
SM- 1/2 : Paper Code: HINSMC701/02T : कबीर

कबीर ग्रंथावली : श्यामसुंदर दास

इकाई – 1 साखी

- गुरुदेव को अंग - 1, 3, 4, 5, 15, 20, 27, 32, 33, 34
- कस्तूरिया मृग को अंग - 1, 4, 5, 8, 9

इकाई – 2 साखी

- विरह को अंग – 2, 3, 4, 6, 11, 12, 18, 20, 24, 45
- सूरतन को अंग - 12, 13, 19, 21, 38

इकाई – 3 पद

- दुलहिन गावहु मंगलाचार (1)
- एक अचंभा देखया रे भाई (11)
- संतो भाई आई ज्ञान की आंधी रे (16)
- पांडे कौन कुमति तोहि लागि (39)
- काहे री नलिनी तू कुमहिलानी (64)

इकाई – 4 पद

- राम बान अनियाले तीर (118)
- हैं हरिजन थैं चूक परी (146)
- अवधू ऐसा ज्ञान बिचारी (231)
- वे दिन कब आवेंगे माई (306)
- लोका मति कै भोरा (402)

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी साहित्य के विविध इतिहास ग्रंथ
2. कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. कबीर - विजयेन्द्र स्नातक
4. कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत
5. निर्गुण काव्य में नारी - अनिल राय
6. नाथ और संत साहित्य - डॉ. नगेंद्र नाथ उपाध्याय
7. हिन्दी साहित्य में निर्गुण संप्रदाय - परशुराम चतुर्वेदी
8. हिन्दी संतों की उलटबांसी - डॉ. रमेशचन्द्र मिश्र
9. अकथ कहानी प्रेम की – पुरुषोत्तम अग्रवाल
10. भक्ति के तीन स्वर : मीराँ-सूर-कबीर – जॉन स्ट्रेटन हौली
11. कबीर वाणी – पारसनाथ तिवारी
12. कबीर ग्रंथावली – माताप्रसाद गुप्त
13. संत काव्य – परशुराम चतुर्वेदी

Draft Syllabus for SKILL ENHANCEMENT COURSE (SE-1)

Semester-I (For 4-Year Undergraduate Programme)

Semester-III/V (For 3-Year Multidisciplinary Course)

क्रेडिट – 3 ; Class – 45 ; अंक – 50

SE-1: Paper Code: HINHSE101M ; कार्यालयी हिंदी

इकाई – 1 हिंदी भाषा के विभिन्न रूप

- राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्कभाषा
शिक्षण माध्यम
- भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा

इकाई – 2 राजभाषा का स्वरूप

- संविधान में राजभाषा संबंधी विविध नियमों का सामान्य परिचय
- राजभाषा के रूप में हिंदी के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं संभावित समाधान

इकाई – 3 कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

- पारिभाषिक शब्दावली
- पदनाम तथा अनुभाग के नाम

इकाई – 4 कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

- कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएं, निविदा आदि)
- टिप्पण, प्रारूपण, आलेखन, पल्लवन, संक्षेपण आदि

सहायक ग्रंथ:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
4. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव
5. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्ण कुमार गोस्वामी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका – कैलाश नाथ पांडेय

Draft Syllabus for SKILL ENHANCEMENT COURSE (SE-2)

Semester-II (For 4-Year Undergraduate Programme)

Semester-IV/VI (For 3-Year Multidisciplinary Course)

क्रेडिट – 3 ; Class – 45 ; अंक – 50

SE-2: Paper Code: HINHSE202M ; साहित्य और हिंदी सिनेमा

इकाई : 1 – विधागत स्तर पर सिनेमा का स्वरूप और उसकी सैद्धांतिकी

इकाई : 2 – हिंदी सिनेमा का उद्भव और विकास

इकाई : 3 – सिनेमा में दृश्य योजना और कैमरे की भूमिका

इकाई : 4 – सम्भावनाएँ और चुनौतियाँ – तकनीक और सिनेमा

(संदर्भ : अछूत कन्या, गर्म हवा, तीसरी कसम, तारे जमीं पर, पान सिंह तोमर)

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी सिनेमा के सौ साल – ‘हंस’ विशेषांक : अतिथि संपा. संजय सहाय
2. इक्कीसवीं सदी का सिनेमा – प्रह्लाद अग्रवाल
3. फिल्म निर्देशन - कुलदीप सिन्हा
4. कैमरा मेरी तीसरी आँख – राधू कर्मकार
5. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा
6. नया सिनेमा – ब्रजेश्वर मदान
7. भारतीय सिने सिद्धांत – पम ओझाअनु
8. सिनेमा : कल, आज और कल – विनोद भारद्वाज
9. सिनेमा की सोच – अजय ब्रह्मात्मज
10. शहर और सिनेमा वाया दिल्ली – मिहिर पंड्या
11. हिंदी सिनेमा के 150 सितारे - विनोद विप्लव
12. सिनेमा का जादुई सफर – प्रताप सिंह
13. जावेद अख्तर से बातचीत: सिनेमा के बारे में – नसरीन मुन्नी कबीर
14. फिल्म का सौंदर्यशास्त्र और भारतीय सिनेमा – संपा. कमला प्रसाद
15. भारतीय फिल्मों में महिला किरदार – संचिता सिंह
16. बॉलीवुड पाठ : विमर्श के संदर्भ – ललित जोशी

Draft Syllabus for ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC : MIL Commuation)

(स्नातक स्तर के सभी पाठ्यक्रम :बी.ए./बी.कॉम./बी.एससी. ऑनर्स, ऑनर्स विद रिसर्च और मल्टीडिसिप्लिनरी प्रोग्राम के सभी विद्यार्थियों के लिए)

क्रेडिट – 3 ; Class – 45 ; अंक – 50

Semester – I AEC : (MIL Communication)

AE-1 : Paper Code: HINHAE101T ; हिंदी व्याकरण और संप्रेषण

इकाई-1

ध्वनि और वर्ण, शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया की परिभाषा एवं भेद), शब्द-निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास का सामान्य परिचय)

इकाई-2

शब्द और पद में अंतर, विकारी शब्दों की रूप-रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया), अविकारी शब्द (अव्यय), वाक्य की परिभाषा और अंग, वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर), वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम-चिह्न)

इकाई-3

भाषिक संप्रेषण – स्वरूप और सिद्धांत, संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व, संप्रेषण प्रक्रिया, संप्रेषण की चुनौतियाँ, संप्रेषण के प्रकार (मौखिक और लिखित, वैयक्तिक और सामाजिक, व्यावसायिक) संप्रेषण की बाधाएँ

इकाई-4

संप्रेषण के माध्यम - एकालाप, संवाद, सामूहिक चर्चा, प्रभावी संप्रेषण, पढ़ना और समझना, सार और अन्वय, विश्लेषण और व्याख्या

सहायक ग्रंथ:

1. भारतीय पुरालिपि - डॉ. राजबलि पांडेय
2. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु
6. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी
7. हिंदी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी
8. संप्रेषणपरक व्याकरण : सिद्धान्त और स्वरूप – सुरेश कुमार
9. प्रयोग और प्रयोग – वी. आर. जगन्नाथ
10. भाषाई अस्मिता और हिंदी – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
11. रचना का सरोकार – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
12. भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका – विद्यानिवास मिश्र

Draft Syllabus for ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC : MIL Communication)

(स्नातक स्तर के सभी पाठ्यक्रम : बी.ए./बी.कॉम./बी.एससी. ऑनर्स, ऑनर्स विद रिसर्च और मल्टीडिसिप्लिनरी प्रोग्राम के सभी विद्यार्थियों के लिए)

क्रेडिट – 3 ; Class – 45 ; अंक – 50

Semester – II AEC : (MIL Communication)

AE-2: Paper Code: HINHAE202T ; हिंदी भाषा और संप्रेषण

इकाई – 1

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी

इकाई – 2

- हिंदी की वर्ण-व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन
- स्वर के प्रकार : ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त
- व्यंजन के प्रकार : स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष

इकाई – 3

- वर्णों का उच्चारण स्थान : कंठ्य, तालव्य, मूर्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दंतोष्ठ्य
- बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि

इकाई – 4

- भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन
- हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य, वाक्य भेद, वाक्य का रूपांतर
- भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र-लेखन

सहायक ग्रंथ:

1. भारतीय पुरालिपि - डॉ. राजबलि पांडेय
2. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु
6. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी
7. हिंदी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी
8. संप्रेषणपरक व्याकरण : सिद्धान्त और स्वरूप – सुरेश कुमार
9. प्रयोग और प्रयोग – वी. आर. जगन्नाथ
10. भाषाई अस्मिता और हिंदी – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
11. रचना का सरोकार – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
12. भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका – विद्यानिवास मिश्र